

सादा फाइबर
भ्रोला (सपिङ्ग
छ्याग) चाहिएमा
सम्पर्क गर्नुहोला ।

प्रो. टीकाराम चौधरी
शुभम् कम्प्युटर
एण्ड स्ट्रीन पिन्ट
धनगढी, बसपार्क (निकासरोड)
मोबाइल नम्बर:
९८४८१३८३९, ९८६८७७५४८

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका



PAHURA
NATIONAL DAILY

जंगली च्याउहरू विषालु पनि
हुन सक्छन्,
त्यसैले राम्ररी पहचान गरेर
मात्र खाओँ ।
खेती गरेर उमारेका च्याउ खाने
गरौ ।
जीवन सुरक्षित गरौ ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २१ अंक १२ विसं. २०८० सावन १२ गते शुक्र थारु सम्वत (२६४६)

[Friday 28 July, 2023]

(मोल रु. ५ | पेज ४)

गेटा अस्पताल सावनमे संचालनके तयारी

प्रदेश सरकारसे सहयोग कैना प्रतिवद्वता बा: मुख्यमन्त्री शाह

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ११ सावन । कैलालीके गेटामे यिहे सावन महिनाभिटरे संचालन हुइना तयारीमे रहल सहिद दशरथचन्द्र राष्ट्रिय स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालयके सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह अनुगत निरिक्षक करले बटै ।

गेटामे सञ्चालन हुई जैटी रहल अस्पतालके बिफेक रोज भौतिक संरचना ओ तयारीके अवस्थाबाटे जानकारी लेहे पुगल उहाँ जैसिनफे सहयोग कैना तयार रहल प्रतिवद्वता जैनले बटै । पछिल्का बार संघीय सरकारसे सहिद दशरथचन्द्र राष्ट्रिय स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय बनैना निर्णय करल गेटा मेडिकल कलेज प्रदेशके लाग गैरवके योजना रहल ओरसे सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारको फे भूमिका रहे पर्ना उहाँके कहाई बा ।

"संघीय सरकारसे यहाँ जैन कार्य आधे बहौल बा, ओम्ने प्रदेश सरकारके पूर्ण साथ, समर्थन ओ सहयोग बा", मुख्यमन्त्री शाह आधे ठाउँ, "यिहीहे द्रूत गतिमे आधे बहाइक लाग फे हमे आग्रह करटी ।" तत्कालहे मेडिकल कलेज वा विश्वविद्यालय बनैना कार्यही थाती धारके संघीय सरकारसे गेटामे एक सय शिक्षाके साधारण अस्पताल सञ्चालनके तयारी करटी रहल बा ।

साउन मसान्तसे अस्पताल सञ्चालनमे नन्हा तयारी हुइटी रहल बा । अस्पताल सञ्चालनके लाग जनशक्ति व्यवस्थापन कार्यमेरो प्रदेश सरकार सहयोगके लाग तत्पर रहल मुख्यमन्त्री शाह बटैले । उहाँ छ सय



शिक्षाके अस्पताल सञ्चालनमे समेत प्रदेश सरकार हरेक कोणसे सहयोग करटी जोरे चाहल उल्लेख करलै । "ओकर लाग छलफलके प्रिक्रिया आधे बढाइल बटी", उहाँ कहलै । नीतिगत रूपमे गेटामे विश्वविद्यालय बनैना बाट आधे अझलेसेके बजेटमे कुछ छलपाल्ये प्रदेश सरकारसे स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय बनैना आब कैनो कन्फ्युजन नइरही", मुख्यमन्त्री शाह कहलै, "कैना कारणसे संघीय सरकारसे करे पर्ना सहयोग ओ निर्णय रहें आवश्यकता ! आवश्यकता !! आवश्यकता !!!

यस क्वीक सोलुसन ग्याँस रिसर्च प्रालि धनगढीका लागि केही कर्मचारी आवश्यकता भएको हुँदा इच्छुक व्यक्तिले सम्पर्क गर्न अनुरोध छ ।
कर्मचारी संख्या: ८ जना (महिला/पुरुष)
पद: मार्केटिङ
तलब: आपसी समझदारीमा
योग्यता: एसएलसी वा सो सरह
आवश्यक कागजात: नेपाली नागरिकता, एसएलसी पास प्रमाणपत्र
स्थान: धनगढी-८, कैलाली
सम्पर्क: ९८५५०४६९७९, ९८६८८८८८८८८, ०११-५९०७९०

देहे नडसेकलेसे भर सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार अपनही कैना तयार बा ।"

६०० शिक्षाके अस्पतालसहित राष्ट्रिय स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय सञ्चालनके लाग टमान प्रयोजनके ५२ ठो भवन बने पर्ना बा । मने, हालसम ३२ ठो भवन बनल ओ और भौतिक संरचना बन बाँकी रहल ओरसे संरचना समयमे निर्माण कैना ओरफे ध्यान डेना आवश्यक रहल मुख्यमन्त्रीसे सजग करलै । "सक्कु संरचना नडबल्सेसे ६०० शिक्षाके अस्पतालसहितके विश्वविद्यालय बने नडसेकी", उहाँ ठाउँ, "टबमारे हमे सरोकारबालाहुको योहां ओरफे ध्यान डेना आवश्यक बा ।" (बाँकी ३ पेजमे)

बिगरल सिसि टिभी क्यामराके मर्मत



पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ११ सावन । धनगढी उपमहानगरपालिका टमान ठाउँमे जडान हुइल बिगरल सिसि क्यामराके मर्मत कैगिल बाट निर्माण नगरप्रमुख गोपाल हमाल जैनलै ।

बिगरके काम नडकैना अवस्थामे रहल ओरसे मर्मतके लाग जिल्ला प्रहरी कार्यालयके परिसर क्षेत्रमे ५ ठो जडान हुइल जम्मा ३५ ठो सिसि क्यामराके मर्मत कैगिल नगरप्रमुख गोपाल हमाल जैनलै । अपराधिक क्रियाकलाप नियन्त्रण ओ बजार क्षेत्रमे शान्ति सुरक्षाके कार्यम कैना उद्येश्यसे बजारको टमान क्षेत्र (बोर्डाँडीसे त्रिनगर भन्सार सम १२ ठो,

विद्युतीय उपकरणको प्रयोगबाट बालबालिकामा पर्ने असर

विद्युतीय उपकरण(मोबाइल, ट्याब, ल्यापटप आदि)को अधिक प्रयोगले:

- बालबालिकाको आँखाको ज्योति विग्रने,
- दिमागामा असर पर्ने,
- समयमा नसुन्ने,
- खानपान तथा दिसापिसाबमा समेत ध्यान नदिने,
- एकान्तमा बस्न मन पराउने,
- द्विज्याहट हुने,
- साथीहरूसँग घुलमिल नहुने,
- एके स्थानमा बसिरहँदा रक्त सञ्चारमा प्रभाव पर्ने,
- बालबालिकामा अटिजम, शारिरीक तथा मानसिक अपाङ्गतासमेत हुन सक्ने भएकोले

बालबालिकालाई विद्युतीय उपकरणको अधिक प्रयोग गर्न नदिअौ ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

सुदूरपश्चिम प्रदेश के एक मात्र ऐकेडेमीक कोर्षमा

भर्ना खुल्यो !!! भर्ना खुल्यो !!! भर्ना खुल्यो !!!

CTEVT द्वारा मान्यता प्राप्त १८ महिने प्रि-डिप्लोमा उद्यम विकास सहजकर्ता कोर्षको लागी भर्ना खुल्यो !!!



भर्ना कार्यक्रम

- फारम वितरण : २०८०/०३/२९ गते देखी
- पूर्ण छात्र वृत्ती संख्या : ४ जना
- फारम भर्ने अवितरन वितरण : २०८०/०४/१२
- प्रवेश परिक्षा वितरण : २०८०/०४/२४ शुक्रवार दिउँसो ९ : ०० बजे

कस्तूरी पदन देख्नु ?

- ✓ SEE वा सो भद्रा माथि पदने जुनसुकै ग्रेड आएका विवारीहरूले ।
- ✓ उद्यम तथा व्यवसाय गर्न चाहने वा कमता वृद्धि विसर्त गर्न चाहनेले

हाम्रा सेवाहरू :

- ✓ Free Wi-Fi, English Language, Computer Course Projector द्वारा यस्तै हुने ।
- ✓ आपसी सोसाइटी भएको ।
- ✓ विभिन्न ठाउँको अध्ययन अवलोकन भ्रमण ।
- ✓ विभिन्न सोसाइटी वा कम्पनी रोजगारीक लागि अवसरहुन राप्ने ।
- ✓ दस्त र अनुचित प्रशिक्षकाल पदार्थ हुने ।
- ✓ बोल र अंग्रेजी प्रशिक्षकाल पदार्थ हुने ।
- ✓ संघ र संस्थाको विवारीहरू सम्पर्क सम्पादन ।

जागिर कहाँ कहाँ पाइन्छ त ?

सरकारी कार्यालयहरू :

(धरेलु कार्यालय, उद्योग वाणिज्य संघ, नगरपालिका, गाउँपालिका)

वित्तिय संस्थाहरू :

सरकारी लघु वित आदि

विभिन्न संघ संस्था :

NGO/INGO, विभिन्न उद्योग तथा कम्पनीहरू स्वयम प्रीरकाक भएको काम गर्न सकिन्ने ।

पढेर के-को गर्न सकिन्नु ?

स्वरोजगार हुन, आफुमा नेतृत्व विकास गर्न, आफै उद्यम तथा व्यवसाय संचालन गर्न र व्यवसाय परामर्श सम्बन्धी सेवा दिन ।

सम्पर्क :

०११-५२२३९७
९८५८४४४५५१३
९८५८४४४५५१३

सुदूरपश्चिमाञ्चल पोलीटेक्निकल इन्सिच्यूट प्रा.ली.
नेपाल राष्ट्र बैंक पठाडी, धनगढी, कैलाली

डडेल्धुरा पारा मेडिकल क्याम्पस

टिकापुर, कैलाली

भर्ना खुल्यो ! भर्ना खुल्यो !! भर्ना खुल्यो !!!



१

CTEVT वाट सम्बन्धन प्राप्त यस कलेजमा शैक्षक संबन्धन २०८०/०८१ का लाग व्यवस्थापन सहत १८ महिने विवारण

कृषि जेटि ए

भेटनी

सांस्कृत सब ओभर सियर

विषयमा भर्ना खुल्यो ।

चामल आयात आधा घटल



काठमाडौं, ११ सावन | गैल अर्थात् वर्षमें चामलके आयात आधा घटके ९६ अर्ब रुपैयाँके हाराहारीमे पुगल वा। भन्सार विभागके तथ्यांक अनुसार आव २०८०/८० मे १५ अर्ब ११ करोड २४ लाख १५ हजार रुपैयाँके चामल किल आयात हुइल वा।

आधेक वर्ष उ अवधिमे ३० अर्ब ५८ करोड २९ लाख ५८ हजार रुपैयाँके चामल आयात हुइल रहे।

गैलवर्ष धानके उत्पादन बहल ओरसे फेन चामल आयातमे कमी आइल हो। गैल आवमे टमान मुलकसे ५६ अर्ब रुपैयाँके देर खाद्यान्न (धान, गहुँ, मकै, कोदो, जौ, कनिका) आयात हुइल वा।

भन्सार विभागके तथ्यांक अनुसार गैल आव २०८०/८० मे नेपाल टमान देशसे ५६ अर्ब ६२ करोड ५३ लाख ४७ हजार रुपैयाँके खाद्यान्न आयात करल वा।

आव २०८०/८० मे ७४ अर्ब २८ करोड ३७ लाख सात हजार रुपैयाँके आयात हुइल रहे। आधेक वर्षके तुलनामे समग्र खाद्यान्न आयातमे २४ प्रतिशत अर्थात् १८ अर्ब रुपैयाँ बराबरके कमी हुइल वा।

गलत सूचनाप्रति सचेत रहन आग्रह

काठमाडौं, ११ सावन | वैदेशिक रोजगार विभाग अन्तर्गतके रोजगार अनुसन्धानप्रति प्रणाली (ईपीएस) शाखा टमान माध्यमसे इपीएस रोजगारीके विषयमे गलत सूचना फैलैना काम हुइल ओरसे ओडिसिन सूचनाप्रति सचेत रहन आग्रह करल वा।

उ शाखा विज्ञप्तिमे इपीएस शाखाके लेटरप्याड प्रयोग कैके दक्षिण कोरियामे इपीएसमार्फत कौनो फेन नेपाली श्रमिक नैतैनेजता कला जैसिन गलत सूचना प्रवाह कैके भ्रम फैलैना काम करल ओरसे उ विषयमे सचेत रहन आग्रह करल हो।

बजेटमे संसदीय...

नैहुइना मने पहुँचके भरमे केन्द्री प्रभावशाली राजनीतिज्ञके निर्वाचन क्षेत्रमे किल बजेट विनियोजन हुइना विडम्बना कायमे वा। नीति कार्यक्रम एकओर औ बजेट औरेजोर रहल पाजाइठ। यी मेरिक विडम्बनाके अन्यको लाग संसदीय समितिसे कौनो प्रभावकारी भूमिका खेले सेकल नैहो। सरकारके मन्त्रालय विभागसे करल खर्च ओ उपलब्धिके लेखाऊखा करना, अनुगमन मूल्यांकन करना, वैकल्पिक नीति सिफारिस करना जस्ते कार्य संसदीय समितिमार्फत हुइ सेकल नैडेखाइठ।

गिर्कर्ष

बजेटउपरके संसदीय भूमिका विश्वके मुलुकसे बहारिहल अवस्थामे हमार मुलुकमे फेन बजेट छलफलके प्रक्रिया ओ संसदीय निगरानीके काममे संसदके भूमिका बहैना आवश्यक डेखाइठ। अन्य मुलुके अनुभव हेरके बजेटउपरके संसदीय भूमिका तीन

आव २०८०/८० मे देशभर ५४ लाख ८८ हजार ४७२ मेट्रिक टन धान उत्पादन हुइल रहे। सरकारसे आयातमे करल कडाङ ओ भारत सरकारसे गहुँ आयातमे लगाइल प्रतिबन्धके कारण खाद्यान्न आयातमे कमी आइल वा। एक वर्षमे भन्दे ३७ अर्ब रुपैयाँके धान, चामल, चितुरा ओ कनिका आयात हुइल रथ्यांक वा। १० प्रतिशतसे देर धान चामल भारतसे अडाना रहल वा। गैल आवमे २० अर्ब ७५ करोड ८० लाख रुपैयाँके धान आयात हुइल रहे। गैल वर्ष आधेक वर्षके

तुलनामे चार अर्ब रुपैयाँ बराबरके धान आयात बहल वा।

गैल आवमे १७ अर्ब १७ करोड ३६ लाख १५ हजार रुपैयाँके मकै आयात हुइल वा। आधेक वर्ष १९ अर्ब ६४ करोड १६ लाख २५ हजार रुपैयाँके मकै आयात हुइल रहे। अस्टेक गैल वर्ष २८ करोड ९८ लाख रुपैयाँ बराबरके गहुँ ओ गहुँके बीउ आयात हुइल वा। आधेक वर्ष ४ अर्ब ३२ करोड ६२ लाख रुपैयाँके गहुँ आयात हुइल रहे। गैलवर्ष भारतमे गहुँ उत्पादन कम हुइलपाणे अन्य देशमे नियांतमे प्रतिबन्ध लगाइल रहे। ओहे कारण फेन गहुँके आयातमे कमी हुइल हो। अस्टेक गैल आवमे २७ करोड ६६

गेटा अस्पताल...

उ क्रममे निर्देशक डा. प्रसोद जोशी एक सय शाया अस्पताल सञ्चालनके लाग हुइटी रहल तथारीके बारे मे मुख्यमन्त्रीह जानकारी करलै। उहाँ कहलै, कुछ जनशक्ति दरबन्धी हुसेकल वा, बाँकी रहल दरबन्धी तत्काल पुरा हुइटीकी यिहे साउन महिनासे १०० शैयाके ओपिडिसहिट अस्पताल संचालन पाइल वा।

यी विषयमे सत्यतथ नैबुझके अऔरेजे समेत सेयर करनालगायत कानुनविपरीतके गतिविधि करल पाइल ओरसे विभाग वा इपीएस शाखाबाहक अन्य ठाउँसे आइल सूचनाके भर नैपरनासमेत ओहे विज्ञितमार्फत आग्रह करल वा।

अनुगमनमे अर्थिक मामिला मन्त्री नरेशकुमार शाही, सामाजिक विकास मन्त्री भपटबहादुर साउँद, राज्यमन्त्री गीता माल, प्रदेश सभा सदस्य प्रकाशबहादुर बम, तुलसी देवकोटा, जानकी पौडेल लगायतके सहभागिता रहल रहे।

तरिकासे बहाइ सेकजाइठ। अलग बजेट कमिटी गठन कैके, विभागीय समितिमे छलफल कैके वा संसदिभत्रे अलग बजेट अफिसके स्थापना कैके बजेटउपर संसदीय भूमिका बहाइ सेकजाइ। यकर लाग सभाके नियमावलीमे आवश्यक प्रक्रियात व्यवस्था करेपरना रहठ। बजेट पारदर्शिता लाग असल अभ्यास नामक ओडिसिडीके एक अध्ययनसे कम्तीमे तीन महिना पहिले बजेट संसदो पेस हुइपरना कना करल सिफारिस हमार सन्दर्भमे समेत मननीय वा। अतः संसदीय समितिमे प्रारम्भसे बजेटके सिद्धान्त ओ प्राथमिकताके सम्बन्धमे छलफल हुइना, बजेट मस्यौदा उपर छलफल कैके प्राप्त राय सुझावसमेत सेमेटके सरकारसे बजेट नना अभ्यास करना श्रेष्ठस्कर हुइना डेखाइठ। ओस्टेक संसदीय अनुगमन मूल्यांकनके कार्यमे समिति निप्पेवारीपूर्वक खरो रुपमे उत्तर आवश्यक वा।

लेखक संघीय संसदके सचिव हुइठै।

साभार: गोरखापत्र ईनिक्स

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न हस्पिटल



निसर्ग हस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.



स्वास्थ्य सम्बन्धी कूनैपानि रोगको सफल उपचार तथा परामर्शको लागि सम्पर्क गन्होला

HELLO ०१२७०००१०१०
EMERGENCY ९९६६६८०१००
SUPPORT CALL ९८०५६००७४५

हसनपुर, धनगढी-५, कैलाली, नेपाल
nisargahospitalnepal@gmail.com [/nisargahospitalnepal](http://nisargahospitalnepal)



24x7
आपरेटिंग
सेवा

24x7
आपरेटिंग
सेवा

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हामो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कपिडसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसह थोक तथा खुरा मूल्यमा पाइन्छ।

कूनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछै।



संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कपिडसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुर्स्सय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३२९, महेश मो. ९८१३१०२९



नवजीवन अस्पताल

"Patient Care is our Motto"

उपलब्ध विशेषज्ञ सेवाहरू

- १ हाइड्रोजन तथा बोक्सी रोग रोग
- २ त्री तथा प्रसूती रोग रोग
- ३ लवात्रा लिंग तथा वायोडेज रोग
- ४ जरात्रा लिंग तथा वायोडेज रोग
- ५ लाल लोल लाल लोल रोग
- ६ लाल लोल लाल लोल रोग
- ७ लाल लोल लाल लोल रोग
- ८ लाल लोल लाल लोल रोग
- ९ लाल लोल लाल लोल रोग
- १० लाल लोल लाल लोल रोग
- ११ लाल लोल लाल लोल रोग
- १२ लाल लोल लाल लोल रोग
- १३ लाल लोल लाल लोल रोग
- १४ लाल लोल लाल लोल रोग
- १५ लाल लोल लाल लोल रोग
- १६ लाल लोल लाल लोल रोग
- १७ लाल लोल लाल लोल रोग
- १८ लाल लोल लाल लोल रोग
- १९ लाल लोल लाल लोल रोग
- २० लाल लोल लाल लोल रोग
- २१ लाल लोल लाल लोल रोग
- २२ लाल लोल लाल लोल रोग
- २३ लाल लोल लाल लोल रोग
- २४ लाल लोल लाल लोल रोग
- २५ लाल लोल लाल लोल रोग
- २६ लाल लोल लाल लोल रोग
- २७ लाल लोल लाल लोल रोग
- २८ लाल लोल लाल लोल रोग
- २९ लाल लोल लाल लोल रोग
- ३० लाल लोल लाल लोल रोग
- ३१ लाल लोल लाल लोल रोग
- ३२ लाल लोल लाल लोल रोग
- ३३ लाल लोल लाल लोल रोग
- ३४ लाल लोल लाल लोल रोग
- ३५ लाल लोल लाल लोल रोग
- ३६ लाल लोल लाल लोल रोग
- ३७ लाल लोल ल

प्रदेश जनसंख्या ओ विकासबारे सुभाव संकलन



समेटल बैटैले ।

कहल रहे ।

स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालयके फोकल पर्सन कपिल प्रसाद तिम्लसेना जनसंख्या ओ विकास सम्बन्धी अन्तर्राष्ट्रिय सम्मेलन १९९४, ३० बर्षिय समिक्षा सम्बन्धी प्रदेश स्तरीय अन्तर्रक्षिया कार्यक्रम धनगढीमे निम्जल बा ।